D.ed. — 19-21

DATE

भाषायी क्षमताओं की संकल्पना

केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार परिषद 1956 द्वारा प्रतिपादित

(i) प्रथम संकल्पना

* मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा
* मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा का सम्मिलित पाठ्यक्रम
* मातृभाषा और एक शास्त्रीय भाषा का मिश्रित पाठ्यक्रम
* क्षेत्रीय भाषा और एक शास्त्रीय भाषा का मिश्रित पाठ्यक्रम

(ii) हिन्दी या अंग्रेजी

(iii) एक आधुनिक भारतीय भाषा या एक यूरोपीय भाषा जो क्रमशः (i) एवं (ii) बिन्दु में सम्मिलित नहीं की गयी हो।

(ii) द्वितीय संकल्पना

* प्रथम सूत्र के समान
* अंग्रेजी या एक आधुनिक भारतीय भाषा
* हिन्दी या अहिन्दी क्षेत्रों के लिये

1961 की संकल्पना में परिवर्तन :

इस संकल्पना में कुछ आंशिक परिवर्तन सन् 1961 में सम्पन्न होने वाले मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन के समय किये गये। इस समय निम्नलिखित परिवर्तन किये गये

(i) प्राथमिक स्तर छात्रों पर एक से अधिक

Scanned with CamScanner

DATE

भाषाओं के अध्ययन का भार नहीं डालना चाहिए किंतु यदि विद्यालय इच्छुक है तो वह एक अन्य भाषा के अध्ययन की व्यवस्था कर सकता है।

(2) उच्च माध्यमिक स्तर पर त्रिभाषा सूत्र त्याग कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि इस स्तर के बाद अनेक छात्र अपना अध्ययन समाप्त कर देते हैं।

(3) उच्च प्राथमिक स्तर के छात्रों को हिन्दी और अंग्रेजी में सम्पर्क भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य रूप से करना चाहिए।

S. Kum